

कला एवं धर्म शोध संस्थान, लोक कल्याणकारी ट्रस्ट, वाराणसी
Refereed, Peer Reviewed Quarterly Journal Approved by UGC CA

कला सरोवर

KALA SAROVAR

(भारतीय कला एवं संस्कृति की विशिष्ट शोध पत्रिका)



प्रधान सम्पादक डॉ० प्रेमशंकर द्विवेदी



कला सरोवर

कला एवं धर्म शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा संचालित

कला सरोवर (त्रैमासिक)

भारतीय कला एवं संस्कृति की विशिष्ट शोध पत्रिका

Referred, Peer Reviewed Quarterly Journal Approved by UGC Care

प्रधान सम्पादक

डॉ० प्रेमशंकर द्विवेदी -

(निदेशक) कला एवं धर्म शोध संस्थान-वाराणसी।

सम्पादक

प्रो० भरत सिंह

- हिन्दी विभाग, मगध-विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार।

प्रो० प्रेमचन्द्र विश्वकर्मा

- सेवानिवृत्त- पूर्व विभागाध्यक्ष, ललित कला, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी-2 (उ०प्र०)।

डॉ० बिन्दू दूबे -

उपनिदेशक, कला एवं धर्म शोध संस्थान, वाराणसी।

प्रो० उमापति दीक्षित

- डी० लिट्, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), आगरा-282005।

प्रो० सोनू द्विवेदी 'शिवानी'-

फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स, कुमायूँ विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।

डॉ० जयन्त कुमार शुक्ल

(शोध अधिकारी) कला एवं धर्म शोध संस्थान, वाराणसी।

डॉ० मनीष कुमार द्विवेदी-

(शोध अधिकारी), कला एवं धर्म शोध संस्थान-वाराणसी।

सम्पादकीय सलाहकार मण्डल

प्रो० ईश्वर शरण विश्वकर्मा-

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

प्रो० वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी-

आचार्य निवास सं० 8, श्यामाबाग, कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)।

प्रो० दीनबन्धु पाण्डेय

- सेवा निवृत्त, पूर्व विभागाध्यक्ष, कला इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

डॉ० शिव कुमार शर्मा

- सेवा निवृत्त, पूर्व निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद।

डॉ० श्रवण कुमार शुक्ल-

विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार विभाग, पी०जी० कॉलेज, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश

डॉ० प्रिया मुखर्जी

- एसोसियेट प्रोफेसर, संगीत विभाग, श्रीअग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़ (उ०प्र०), पिन-276001

(Vol. 24-No.-1-2021)

RNI No- 46269/87

ISSN-0975-4520

वर्ष-24-संख्या-1-2021



कला सरोवर

कला एवं धर्म शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा संचालित
कला सरोवर (त्रैमासिक)

भारतीय कला एवं संस्कृति की विशिष्ट शोध पत्रिका

Referred, Peer Reviewed Quarterly Journal Approved by UGC Care

प्रकाशक : कला एवं धर्म शोध संस्थान

बी. 33/33 ए-1, न्यू साकेत कालोनी,

बी.एच.यू., वाराणसी - 221005

Phone- 0542- 2310682, Mob.- 9451397205

मूल्य : 1000.00 रुपये (Vol.-24-No.-1-2021)

वार्षिक सदस्यता शुल्क- 4000.00 रुपये

आजीवन सदस्यता शुल्क- 50000.00 रुपये

© प्रधान सम्पादक - कला सरोवर

ISSN : 0975-4520

Copyright (सर्वाधिकार सुरक्षित)

'कला सरोवर' शोध-पत्रिका में प्रस्तुत सभी लेखों, छायांकनों और रेखाचित्रों का अन्यत्र उपयोग प्रधान संपादक की पूर्व लिखित अनुमति से ही किया जायेगा। रचनाओं में व्यक्त विचार लेखक ने अपने हैं। शोध-पत्रिका संपादक परिवार का उन प्रकाशित लेखों से उनका सहमत होना आवश्यक नहीं है। विवाद की स्थिति में लेखक /शोधार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।

कम्प्यूटर अक्षर संरचना :

कला कम्प्यूटर मिडिया

बी. 33/33 ए - 1, न्यू साकेत कालोनी,

बी0 एच0 यू0, वाराणसी-5

दूरभाष : 0542-2310682

Email Id : kalasarovarresearchjournal@gmail.com

kalapublishing@yahoo.in

मुद्रक :

मनीष प्रिंटिंग प्रेस

बी. 33/33-ए-1, न्यू साकेत कालोनी, बी.एच.यू., वाराणसी

पिन- 221005, उ. प्र.

विषयानुक्रमिका

क्रम	पृ. सं.
सम्पादक की कलम से	iii
भारतीय साहित्य में चित्रकला	7-14
डॉ० प्रेमशंकर द्विवेदी	15-17
समकालीन कविता और काम करता बचपन	18-21
डॉ० नीतू परिहार	22-26
सुमित्रानन्दन पंत का काव्य-शिल्प	27-34
डॉ० सरिता	35-39
पुस्तकालय के संग्रहण संसाधन एवं सेवाओं का अध्ययन छत्तीसगढ़ के निजी दूरस्थ विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में	40-42
सालिक राम, डॉ० सरिता मिश्रा	43-46
उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों की चुनौतियाँ : एक विवरणात्मक अध्ययन	47-50
सौरभ राय, डॉ० आद्या शक्ति राय	51-55
कामायनी-एक विश्लेषण	56-60
डॉ० ऋतु वाष्णीय गुप्ता	61-63
ग्रामीण विकास में इण्टरनेट एवं सोशल मीडिया की भूमिका	64-66
डॉ० पवन कुमार	67-71
सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में सोशल मीडिया की भूमिका	72-74
डॉ० पूजा सिन्हा	75-81
सोशल मीडिया का इतिहास	82-86
डॉ० प्रीति वाजप्ये	87-89
साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा जागरूकता	90-93
प्रिया पटेल	94-97
विवाहित कार्यशील महिलाओं में सोशल मीडिया में रूचि का अध्ययन	98-104
प्रियंका सरोज	105-110
पत्रकारिता का बदलता स्वरूप एवं इंटरनेट की उपयोगिता	111-112
डॉ० विजय प्रताप सिंह	113-116
सामाजिक आर्थिक परिवर्तन में इंटरनेट एवं सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका	117-119
श्रीमती शर्मिला मीणा	
वर्तमान परिदृश्य में ई-वाणिज्य का महत्त्व	
यशवंत अलावा	
सोशल मीडिया और हमारा समाज	
डॉ० अनुपमा	
महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून की गतिशीलता में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव	
जयेश कुमार	
सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में विकास की संभावनाएं	
डॉ० रश्मि सिंह	
इन्टरनेट का बढ़ता प्रयोग एवं उसका सामाजिक प्रभाव : एक मूल्यांकन	
डॉ० अभय कुमार श्रीवास्तव	
अर्थतंत्र में साइबर अपराध और सुरक्षा सम्बन्धी उपाय	
श्रीमती प्रियंका भारती, डॉ० गगन कुमार	
सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिंदी साहित्य	
डॉ० बॉबी यादव	
साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता	
डॉ० धर्मेन्द्र कुमार सिंह	
उच्च शिक्षा की गुणवत्तापूर्ण वृद्धि में आईसीटी की भूमिका	
डॉ० सी०पी० गुप्ता	
मीडिया के सामाजिक सरोकार	
कमलेश कुमार	
कोविड-19 चुनौती के प्रति लोगों को जागरूक करने में सोशल मीडिया की भूमिका	
कौशलेंद्र विक्रम सिंह	
भाषा एवं साहित्य के विकास में इंटरनेट की भूमिका	
नेहा श्रीवास्तव	

Choosing Menstrual Product : Health and Environment Consciousness Perspective <i>Digisha Jani, Dr. Alka Kshatriya</i>	238-244
Dal Lake : The lost Jewel in the Crown of Kashmir <i>Waseerah Nabi, Dr. Ritika Moolchandani</i>	245-248
Nutritional Status of the Children Suffering From Encephalitis (With special reference to Muzaffarpur district) <i>Priyanka Kumari, Dr. Sangeeta Rani</i>	249-253
Selected Coordinative abilities and Kabaddi Performance <i>Dr. Sudhakara.G</i>	254-256
Internet and Gender Disparity Among the Higher Education Students: A study of Districts Sitapur: Uttar Pradesh <i>Dr. Rajni Kant Srivastava</i>	257-264
Role of Social Media and Internet on Economic Transformation of India (Special reference to consumption pattern of Uttar Pradesh) <i>Dr. Ram Asrey</i>	265-272
Introduction and Importance of E-Resources in Higher Education <i>Km. Rashmi</i>	273-276
A Review of Role of E-Learning in Rural India <i>Renu Rani, Lata Sharma</i>	277-280
Chemistry and Computer Science <i>Satendra Kumar, Renu Rani</i>	281-283
Internet and Social Media: Its Impact on Developing Countries <i>Dr. Shalini</i>	284-289
Impact of Internet and Social Media on Higher Education <i>Dr. Shalini Singh</i>	290-296
Impact of social media on Youth <i>Mrs Shashi Prabha</i>	297-300
Information and communication Technology and the Future Teachers <i>Dr. Sunil Kumar</i>	301-305
Role of Internet and Digital Competency in Chashless Economy of India <i>Vivek Kumar Tiwari</i>	306-310
Information Communication Technology Learning in Education: A Case Study in Secondary Schools <i>Uma Sharma, Dr. Suraksha Bansal</i>	311-318
Impact of Internet in Rural Area <i>Dr. Sangeeta Tiwari</i>	319-325
Role of Blended Teaching Learning System in Higher Education <i>Dr. Shraddha Gupta</i>	326-328
An Analytical Study on Impact of Advertisements on Buyers' Buying Behaviour (Study based on respondents from Chhattisgarh) <i>Bijoy Karmakar, Dr. Preeti Shukla</i>	329-334
'Emasculated Masculinity' in Toni Morrison's the Bluest Eyes, Love and A Mercy <i>Urfana Nabi, Dr. Chaitanya</i>	335-341
Management of Non-Performing Assets: A comparative Analysis of Public and Private Sector Banks of India <i>K.G.Raja Sabarish Babu, Dr.B.Anbazhagan</i>	342-346
Emotional Intelligence of Sports and Non-Sports Personnel <i>Dr. Anu Dandona</i>	347-353
Impact of Age of Non-Verbal Creativity of Intellectually Challenged Students <i>Ms. Aazra Nuh, Dr. Amalendu Paul</i>	354-358
Impact of Safe and Healthy work Environment on Workers's Job Satisfaction : An Analysis of U.P. Co-Operative Sugar Factories in Moradabad Division <i>Shubham Agarwal</i>	359-366
पुस्तक-समीक्षा	367-368



Management of Non-Performing Assets: A comparative Analysis of Public and Private Sector Banks of India

★ K.G.Raja Sabarish Babu ★★ Dr.B.Anbazhagan

Abstract:

The issue of Non-performing assets in banks is rising day by day. The source of income for banks is the interest on loans granted by them. They are assets for the banks and considered as non-performing if the amount of interest and/or principal is not received back. Bank plays a very important role in maintaining flow of money into any economy. Due to non-performing assets, the ability of the bank to pay the interest on deposits as well as liquidity affects. Sometimes banks may lose the ability to remain solvent in the market, too. This study's objective is to measure the management of Non-performing assets in public sector banks as well as private sector banks and to compare the same. The research is analytical in nature. Data is of secondary nature and collected from various reports of RBI as well as annual reports of the banks. Researcher has found that there is a comparatively higher level of NPA in Public sector banks than private sector banks.

Introduction:

The bank plays a very important role in any economy. it accepts deposits from the general public and transfers the amount as borrowing to borrowers. The bank plays an important role in mobilisation of deposits. Other services of banks may include acceptance of general utility bills, providing ATM and Credit Cards, Locker facilities, etc. Banks grants loan to different sectors of society and for different purposes like house loan, educational loan, vehicle loan, business loan, etc. as per the requirement of the borrower. the bank collects interest from the borrower which acts as income and pays interest on deposits which acts as expense for the bank. The non performing asset for the bank may be defined as the credit facility on which the interest or installment amount is due for the specified period of time. This study compares the non performing assets of selected public and private sector banks to measure the efficiency of the banks. banks can not stop granting the loans as it would lead to underutilised facility and loss of potential income. On the other side, safety is also necessary so that the banks may get their amount back on time. the higher amount of non-performing assets may lead to bankruptcy of the bank and safety of deposits of the general public may arise. it is therefore considered as a sensitive issue for the bank.

Concept of NPA

Non-performing asset is a loan on which the amount of interest or installment is due for the specified period. it is an advance on which bank is unable to get the money back in the form of interest or in installment or both. Non-performing assets are termed as non performing because it doesn't generate income for the bank. the bank needs to disclose the assets like standard, sub-standard, doubtful and loss assets and respectively, the provision needs to be made on these assets at specified rates varying between 10 to 100 percent. The Gross Non-performing assets are total non-performing assets and Net Non-performing assets are ones on which the amount provisions is deducted from the Gross NPA.

★ Assistant Professor, Sourashtra College, Madurai.
★★ Associate Professor, Sourashtra College, Madurai.

Review of Literature

(Kadiwala & Prajapati, 2020) have conducted sector wise analysis of NPA in selected Public and Private Sector Banks of India. The objectives of the study were to compare the NPA of selected public sector banks and private sector banks and to check the growth of NPA. Researchers selected five public and private sector banks for the purpose of study from years 2015 to 2019. They found that public sector banks registered higher amounts of NPAs. In private sector banks, NPAs of Agriculture and allied activities are higher. ICICI bank spotted higher average NPAs among all the private sector Banks and Bank of India registered higher average among public sector banks.

(Sharma et al., 2020) have analysed in their research paper about profitability and non-performing assets of selected Indian Public and Private sector banks. the objectives were to analyse the relationship of Gross NPA and profitability. know the performance of selected public and private sector banks. for this purpose. they selected eight public sector banks and three private sector banks for the period of 13 years ending 2019. They used correlation, regression and t-test for the purpose of analysis. they found that the NPA of all the banks were continuously increasing and there was a better situation in private sector banks compared to public sector banks.

(Wadhwa & Ramaswamy, 2020) have in their research paper checked the impact of NPA on Profitability of Banks. The objectives of the study were to understand the concept and recovery of NPA, determine the impact of NPA on various financial Head, and to determine the impact of NPA on Profitability of Banks. researcher selected five public and private sector banks from the year 2015 to 2019 for the purpose of study. They found that NPA was negatively correlated with Net profits. they concluded that NPA is a critical factor affecting the financial sector of India. it affects the flow of credit which in turn affect the development and growth of the economy.

Objectives of the study

1. to compare the position of Non-performing assets in Public and Private Sector Banks
2. to check if there's any relation between Non-performing assets and other variables in Public and Private Sector banks
3. to provide suggestions thereof

Research Methodology

Type of Research	Analytical
Data collection criteria	Top five public and private sector banks listed on BSE as on 23/11/2020
Tools for the study	Accounting Ratios, Independent t-test, Correlation, etc.
Sources of Data	Various websites, Annual reports of selected Banks, etc.

Analysis and Interpretation of Data

Gross NPA Ratio

Gross NPA Ratio shows the amount of Gross NPA as percent of Advances for a bank. it is calculated by dividing Gross Non-performing assets by Advances.

Table 1: Gross NPA of selected Public and Private Sector Banks

Banks	Year	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Public	SBI	6.50	6.90	10.91	7.53	6.15
	IDBI	10.98	21.25	27.95	27.47	27.53
	PNB	12.90	12.53	18.38	15.50	14.21
Private	HDFC	0.94	1.05	1.30	1.36	1.26
	KOTAK	2.36	2.59	2.22	2.14	2.25
	ICICI	5.21	7.89	8.84	6.70	5.53

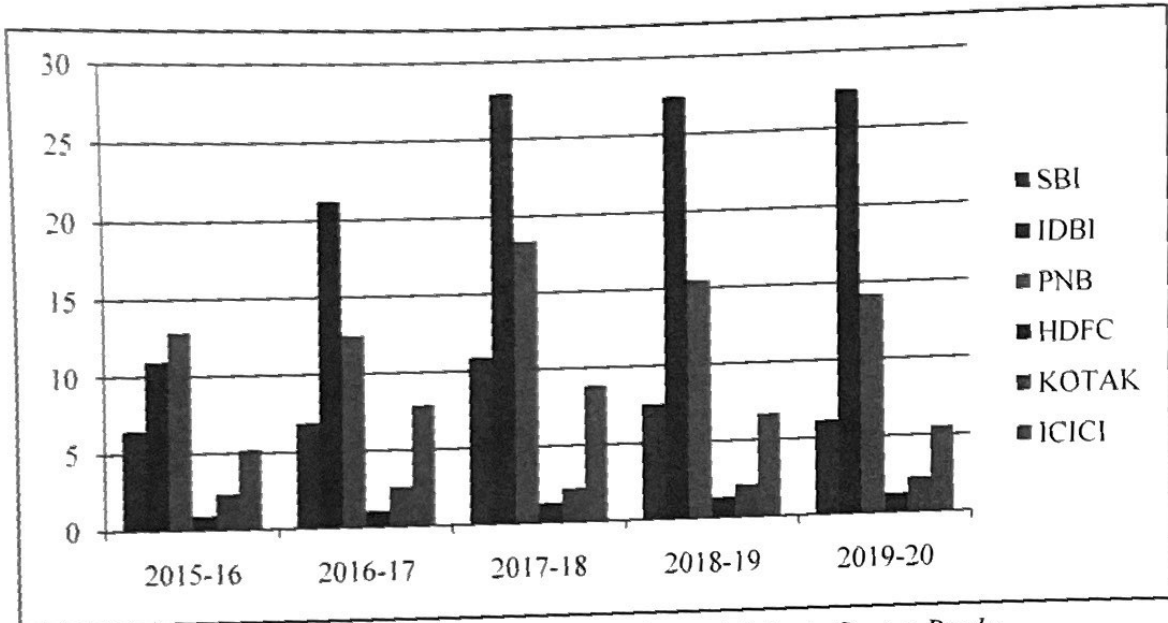


Figure 1: Gross NPA Ratio of Public and Private Sector Banks

The above chart shows Year wise gross NPA of Public and Private Sector Banks. The Highest Gross NPA ratio was in 2017-18 by IDBI at 27.95 percent. The lowest Gross NPA ratio was by HDFC Bank in 2015-16. The lowest average Gross NPA ratio was in HDFC Bank and highest average was by IDBI.

Testing of Hypothesis

H_0 = There is no significant difference in Gross NPA ratio of selected banks during study period

	Banks	mean	variance	F-Cal	F (p-value)	t-Cal	t (p-value)
GNPA	Public	15.11	60.48	8.53	0.00	5.49	0.00
	Private	3.44	7.08				

By the above analysis we can conclude that there is significant difference in Gross NPA ratio of selected Public and Private Sector Banks.

Net NPA Ratio

The Net NPA Ratio is found by dividing Net NPA with Net Advances. Net NPA is Gross NPA less provisions for NPA.

Table 2: Net NPA Ratio of Selected Public and Private Sector Banks.

Banks	Year	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Public	SBI	3.81	3.71	5.73	3.01	2.23
	IDBI	6.78	13.21	16.69	10.11	4.19
	PNB	8.61	7.81	11.24	6.56	5.78
Private	HDFC	0.28	0.33	0.40	0.39	0.36
	KOTAK	1.06	1.26	0.98	0.75	0.71
	ICICI	2.67	4.89	4.77	2.06	1.41

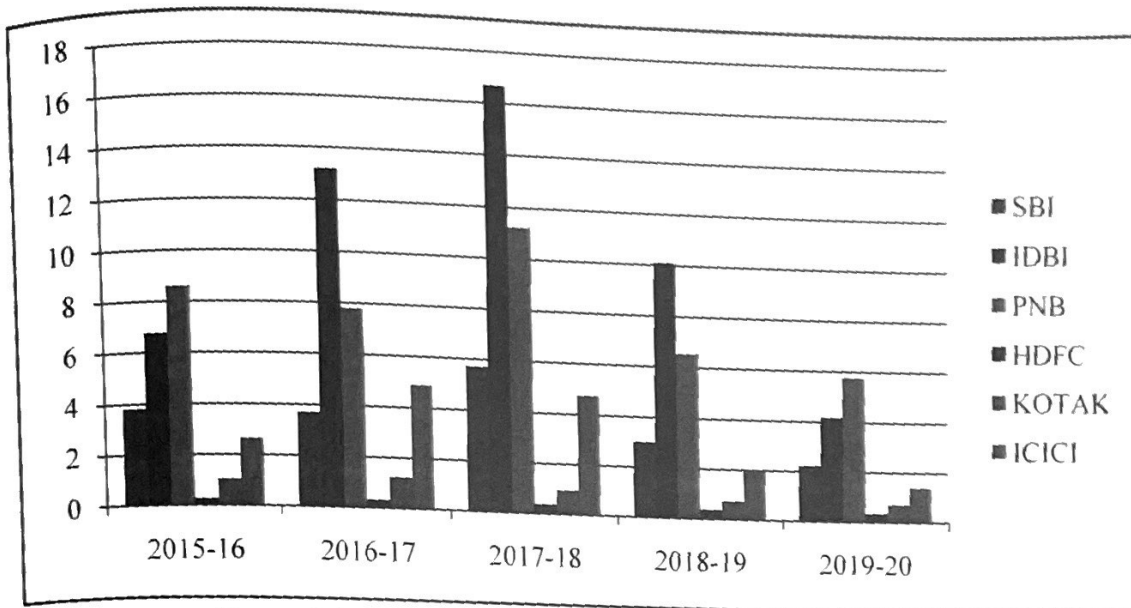


Figure 2: Net NPA Ratio of Public and Private Sector Banks

The above chart shows position of Net NPA of selected public and private sector Banks. The Highest Net NPA Ratio was in the IDBI in 2017-18 at 16.69 percent. The lowest Gross NPA Ratio was in Kotak bank at 0.71 percent. the lowest average net NPA ratio was in Kotak bank and the highest average Net NPA Ratio was in IDBI Bank.

Testing of Hypothesis

H_0 = There is no significant difference in Gross NPA ratio of selected banks during study period

	Banks	mean	variance	F-Cal	F (p-value)	t-Cal	t (p-value)
NNPA	Public	7.29	16.63	7.23	0.00	5.17	0.00
	Private	1.49	2.29				

By the above analysis we can conclude that there is significant difference in Net NPA ratio of selected Public and Private Sector Banks.

Correlation

To know the relationship between two variables, mostly correlation and regression analysis is conducted by the researchers. Here the researcher considered two variables Net NPA and Net profit to know whether changes in the level of Net NPA may lead to change in Net Profit.

Table 3: Correlation between Net NPA and Net Profit (Amount in crores)

Bank	Particulars	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	r
SBI	Net NPA	55807.02	58277.38	110854.70	65894.74	51871.30	-0.91
	Net Profit	9950.65	10484.10	-6547.45	862.23	14488.11	
IDBI	Net NPA	14643.39	25205.80	28665.14	14837.44	5439.49	0.47
	Net Profit	-3664.80	-5158.14	-8237.92	-15116.30	-12887.34	
PNB	Net NPA	35422.57	32702.11	48684.29	30037.66	27218.89	-0.64
	Net Profit	-3974.39	1324.80	-12282.82	-9975.49	336.20	
HDFC	Net NPA	1320.37	1843.99	2601.02	3214.52	3542.36	0.96
	Net Profit	12296.23	14549.66	17486.75	21078.14	26257.32	
KOTAK	Net NPA	1261.96	1718.07	1665.05	1544.37	1557.89	0.45
	Net Profit	2089.78	3411.50	4084.30	4865.33	5947.18	
ICICI	Net NPA	13296.75	25451.03	27886.27	13577.43	10113.86	0.16
	Net Profit	9726.29	9801.08	6777.42	3363.30	7930.81	

Findings and Conclusion:

- There is significant difference in gross NPA ratio of selected Public and Private sector banks. This indicates the Non-performing assets are lower in private sector banks.
- There is significant difference in Net NPA ratio of selected Public and Private sector banks. This indicates the Non-performing assets are lower in private sector banks.
- In SBI and PNB, there is negative correlation which indicates the Net NPA and Net profit are adversely related.
- In other banks, there is somewhat or more positive correlation found which indicates there is positive relation in Net profit and Net NPA.
- The Public Sector banks are required to take further steps like restructuring assets, various recovery channels, selling off assets, stricter rules and more verification for providing credit, analysing the ability of borrower before providing the loans, etc.

References

- Kadiwala, A., & Prajapati, R. (2020). SECTOR-WISE COMPARATIVE ANALYSIS OF NON-PERFORMING ASSETS OF SELECTED PRIVATE SECTOR AND PUBLIC SECTOR BANKS OF INDIA. *INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS*, 8(2), 1882-1888.
- Sharma, S., Kothari, R., Rathore, D., & Prasad, J. (2020). CAUSAL ANALYSIS OF PROFITABILITY AND NON-PERFORMING ASSET OF SELECTED INDIAN PUBLIC AND PRIVATE SECTOR BANKS. *Journal of Critical Reviews*, 7(9), 112-118.
- Wadhwa, R., & Ramaswamy, K. (2020). Impact of NPA on Profitability of Banks. *International Journal of Engineering Technology and Management Sciences [IJETMS]*, 4(3), 1-8.
- Girnara, Mona. (2020). *COMPARATIVE ANALYSIS OF NON PERFORMING ASSETS IN PUBLIC SECTOR BANK AND PRIVATE SECTOR BANK.*

